# वज्रयश

**जीवन-परिचय :** 'तिलोयपण्णत्ती' ग्रन्थ में आचार्य वज्रयश का उल्लेख है और उन्हें अन्तिम प्रज्ञाश्रमण (बुद्धिमान साधु) बताया गया है।

तिलोयपण्णत्ती ग्रन्थ के अनुसार वज्रयश एक बड़े विद्वान आचार्य हुए हैं, जो प्रज्ञाश्रमण ऋद्धि के धारक थे और जिनका नामोल्लेख सर्वत्र बड़ी श्रद्धा से किया जाता है।

आचार्य वज्रयश आचार्य यतिवृषभ के पूर्ववर्ती आचार्य हैं, तभी उन्होंने अपने ग्रन्थ में आचार्य वज्रयश का उल्लेख किया है। यतिवृषभ आचार्य द्वितीय शताब्दी के विद्वान हैं अत: आचार्य वज्रयश को द्वितीय शताब्दी के पूर्ववर्ती माना जा सकता है। सम्भवत: इनका समय प्रथम शताब्दी का उत्तरार्ध रहा हो।

**रचना-परिचय :** आचार्य वज्रयश के द्वारा लिखित कोई भी ग्रन्थ प्राप्त नहीं होता है।